न हृष्यत्यात्मसम्माने नावमानेन तप्यते।
गाङ्गो ह्रद इवाक्षोभ्यो यः स पण्डित उच्यते ॥
जो व्यक्ति न तो सम्मान पाकर अहंकार करता है और न अपमान से पीड़ित होता है। जो जलाशय की भांति सदैव क्षोभरहित और शांत रहता है, वही ज्ञानी है।

अमर उजाला
my city
लखनऊ
सुप्रभात
चैत्र कृष्ण पक्ष दशमी, विक्रम संवत 2075
शनिवार • 30.03.2019

07 कैटवॉक फ्यूज़न डांस इनोवेशन में दिखाई प्रतिभा

2030 तक 850 गीगावाट बिजली सौर ऊर्जा से बनेगी

लखनऊ। भारत सौर ऊर्जा से बिजली बनाने वाले प्रमुख देशों में से एक होगा। योजना के मुताबिक 2030 तक 850 गीगावाट बिजली हम सौर ऊर्जा और दूसरे नवीनीकृत स्रोतों से बना रहे होंगे। यह बात पर्यावरणविद् व वैज्ञानिक प्रो. भरतराज सिंह ने शुक्रवार को एमिटी यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग में आयोजित ग्रीन बिल्डिंग और रेटिंग सिस्टम पर आयोजित सेमिनार में कही। उन्होंने कहा कि ग्लोबल वार्मिंग रोकने के लिए लोग अपने घर, ऑफिस और अन्य जगहों को ऊर्जा कुशल हरित इमारत के रूप में बनाएं। एकेटीयू के पूर्व वीसी प्रो. आरके खांडल, आईआईटी रुड़की के फैकल्टी प्रो. आर शंकर ने भी जानकारी साझा की। ब्यूरो